

OBSAH

| | |
|--------------------------------------|----|
| <i>Předmluva</i> | 7 |
| <i>K Varunovi</i> | 25 |
| <i>Jitřenka</i> | 27 |
| <i>Noc</i> | 30 |
| <i>K bohu větru Vátovi</i> | 32 |
| <i>Pardžanjah, bůh deště</i> | 33 |
| <i>Indrovi</i> | 36 |
| <i>Višnuovi</i> | 38 |
| <i>Bohu slunce Súrjovi</i> | 40 |
| <i>Rudrovi</i> | 42 |
| <i>Jamah a Jamí</i> | 43 |
| <i>Píseň při lisování sómu</i> | 46 |
| <i>Píseň při lisování sómu</i> | 48 |
| <i>Očištění od hříchů</i> | 50 |
| <i>O svornost</i> | 51 |
| <i>Zaříkadlo pro návrat manželův</i> | 52 |
| <i>Milostné kouzlo</i> | 53 |
| <i>Svatební průpovědi</i> | 55 |
| <i>Nad hrobem</i> | 58 |
| <i>Matka Země</i> | 60 |
| <i>O stvoření světa</i> | 71 |
| <i>Čas</i> | 73 |
| <i>Poznámky</i> | 76 |